केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक – A तथा पत्रक – B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद – ३८०००४.

सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र – २

रविवार, ३ मार्च, २०१९ | समय : दोपहर २.०० से ४.१५ | कुल गुण : ७५

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़्सान मत किजिए ।

☞ अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक [ ][ ] महिना [ ][ ] वर्ष [ ][ ][ ][ ]

परीक्षार्थी का अभ्यास ....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर ....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर ....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (५)	
	३ (६)	
	४ (८)	
	५ (५)	
	६ (५)	
	विभाग-१, कुल गुण (३८)	

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (५)	
	९ (६)	
	१० (६)	
	११ (५)	
	१२ (६)	
	विभाग-२, कुल गुण (३७)	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં [ ]

શબ્દોમાં ....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं ।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है । उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी । **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी ।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी । पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी । **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें । **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें । पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे । अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे । **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापत्र' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी ।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा ।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नप्रत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है । **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है ।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें ।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है । अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है । **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं ।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है ।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा ।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे ।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा ।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा । **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे ।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा ।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं ।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन !!! परिणाम नहीं मिलेगा !!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९		नाम	प्र - २ गुण - ५		नाम

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''यहाँ रहूँगा, तो सगे-सम्बंधी रोएँगे और दु:ख देंगे।''

कौन कहता है? .... किसको कहता है? ....

कब कहता है? ....

....

.... गुण : ३

२. ''मेरे प्रभु आए हैं, उनके लिए भोजन की व्यवस्था करना।''

कौन कहता है? .... किसको कहता है? ....

कब कहता है? ....

....

.... गुण : ३

३. ''हम वहाँ नहीं जा सकेंगे।''

कौन कहता है? .... किसको कहता है? ....

कब कहता है? ....

....

.... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. दिल्ली मंदिर की मूर्ति प्रतिष्ठा कब हुई थी? (संवत्, मास, तिथि) गुण : १

....

२. देवरामभाई कहाँ के निवासी और कैसे भक्त थे? गुण : १

....

३. काशीदास के सगे-सम्बंधी कैसे सत्संगी हो गए? गुण : १

....

४. झमकूबाई गढ़डा में कौन कौन सी सेवा करती थी? गुण : १

....

५. समुद्रदेवता ने किस का रूप धारण करके चारों भाईयों की परीक्षा ली? गुण : १

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ६		नाम	प्र - ४ गुण - ८		नाम

प्र. ३ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. दुबली भट्ट का समधी अन्धा हो गया।

....

....

....

.... गुण : २

२. वर्तमान समय में धर्म में शिथिलता आ गई है।

....

....

....

.... गुण : २

३. आत्मानन्द स्वामी ने पधरावनी में जाने से इन्कार कर दिया।

....

....

....

.... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। (कुल गुण : ८)

१. नाथ ! निरन्तर ....

....

.... वस्तु सात ॥ गुण : २

२. हम तो हैं श्रीजी की संतान, ...

....

....

.... गुणातीत स्वामी॥ गुण : २

३. विश्वेशभक्तिं ....

....

.... नमामि॥ गुण : २

४. श्रद्धावान् लभते .... गच्छति॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

....

....

.... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – ५ गुण – ५		नाम

प्र. ५. 'शिष्य' – **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ६ गुण - ५		नाम

प्र. ६ 'प्रह्लादजीने.......' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए। (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ९		नाम	प्र - ८ गुण - ५		नाम

विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''हम किसी पर आरोप लगाना नहीं चाहते।''

कौन कहता है? .... किसको कहता है? ....

कब कहता है? ....

....

.... गुण : ३

२. ''अब हमारी ओर से दो लाठी ज़मीन और नापो।''

कौन कहता है? .... किसको कहता है? ....

कब कहता है? ....

....

.... गुण : ३

३. ''तुम्हें साधु होना है?''

कौन कहता है? .... किसको कहता है? ....

कब कहता है? ....

....

.... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. स्वामीश्री को किस बात का दुःख था? गुण : १

....

२. सारंगपुर मंदिर के कार्य में रुकावट डालने के लिए विरोधियों ने किस को विरोधी बनाकर भेजा? गुण : १

....

३. गोंडल मंदिर की ज़मीन किस ने कितने में लेने का तय किया था? गुण : १

....

४. स्वामीश्री के दर्शन करके सयाजीराव क्या बोले? गुण : १

....

५. बड़ौदा में यज्ञपुरुषदासजी ने किस के पास कौन सी पढाई प्रारंभ की? गुण : १

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ६		नाम	प्र - १० गुण - ६		नाम

प्र. ९ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. मोतीभाई ने सारंगपुर के भव्य मंदिर की कल्पना करके भजन की रचना की।

....

....

....

.... गुण : २

२. सम्प्रदाय में ज्ञानियों एवं सद्‌गुरुओं को महापुरुष की ही प्रतीक्षा थी।

....

....

....

.... गुण : २

३. जीवनराम शास्त्री यज्ञपुरुषदासजी के प्रति पूज्यभाव रखते थे।

....

....

....

.... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. अड़सठ तीर्थ गुण : २

(१) [ ] 'अधम उद्धारण अविनाशी तारा....' कीर्तन का गान किया। (२) [ ] रणछोड पटेल बोल उठे

(३) [ ] गाय अचानक अदृश्य हो गई। (४) [ ] गाय ने स्वामी को पाँच बार नमस्कार किया।

२. निर्गुणदास स्वामी का अक्षरवास गुण : २

(१) [ ] सं. २००६ (२) [ ] जेठ कृष्णा १४

(३) [ ] गोंडल जाने की आज्ञा (४) [ ] वैशाख शुक्ला चतुर्दशी

३. स्वामीश्री के हितेच्छु कोठारी गोरधनभाई गुण : २

(१) [ ] बड़ौदा में ही कथा प्रसंग का आयोजन करें।

(२) [ ] यहाँ के साधु आपका सर्वनाश करने के लिए आमादा हुए हैं।

(३) [ ] आपका प्रताप कतई नहीं सह सकते।

(४) [ ] अपनी प्रवृत्ति कम कर दें।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ५		नाम

प्र. ११ निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. प्राकट्य और आशीर्वाद २. अन्तिम लीला

( ) ....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक		केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ६		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। (कुल गुण : ६)
सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. **इन्द्र को आह्वान :** सं. १९८२ में आणंद में भव्य समैया का आयोजन किया गया। इस वर्ष आश्विन तक वर्षा नहीं हुई थी।

उ ....

....

.... गुण : १

२. **अक्षरधाम का द्वार :** सं. २००३ के जन्माष्टमी पर स्वामीश्री अटलादरा में बिराजमान थे। अब ७४ वर्ष की उम्र में उनका स्वास्थ ठीक नहीं रहता था।

उ. ....

....

.... गुण : १

३. **विरोध की आँधी :** भगवत्प्रसादजी महाराज के देहविलय के बाद उनके स्थान पर केवल नौ वर्षीय बालक केशवप्रसादजी को आचार्य पद पर स्थापित किया गया था। वे केवल १०-११ वर्ष की उम्र में ही तमोगुणी हो गये थे।

उ. ....

....

.... गुण : १

४. **गुणातीत का गौरव :** अटलादरा में मथुरभाई जैसा व्यक्ति सत्संगी हो गया, यह सुनकर दुश्मनवर्ग ईर्ष्या के कारण जलने लगे। एक दिन दुश्मनों ने चार हथियारबन्द पार्षदों को घोड़े पर बैठाकर स्वामीश्री की हत्या के लिए नडियाद भेजा।

उ. ....

....

.... गुण : १

५. **गुरुशिष्य का प्रेमप्रवाह :** तीसरे दिन शास्त्रीजी महाराज बोचासण के लिए रवाना हुए। उनके साथ रामरतनदासजी और योगीजीवनदासजी भी जुड़ गए।

उ. ....

....

.... गुण : १

६. **गृहत्याग :** झीणा भक्त चार महीने के बाद वड़ताल पहुँचे। यहाँ विधात्रानन्द स्वामी ने उनको भंडार का काम सौंपा। यह सेवा वे बड़ी लगन से करते थे।

उ. ....

....

.... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें